चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जीन्द

(प्रदेश विधायिका एक्ट 28, 2014 के तहत स्थापित)

स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए (VACs, SECs, VOCs and AECs)

सी॰ बी॰ सी॰ एस॰ (चयन-आधारित क्रेडिट पद्धति)

सत्र 2023-24 से चरणबद्ध रूप से प्रभावी

कोर्स	कोर्स कोड	कोर्स का नाम	क्रेडिट	शिक्षण	परीक्षा योजना			
				घण्टे /प्रति सप्ताह	परीक्षा अंक	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक	समय
				सेमेस्टर-I				
AEC-1	B23-HIN-121	हिन्दी भाषा और साहित्य	2	02	40	10	50	2 घण्टे
				सेमेस्टर-II				
SEC-2	B23-HIN-206	पत्र-लेखन	2	02	40	10	50	2 घण्टे
SEC-2	B23-HIN-217	विज्ञापन लेखन	2	02	40	10	50	2 घण्टे
AEC-2	B23-HIN-221	तकनीकी हिन्दी	2	02	40	10	50	2 घण्टे
				सेमेस्टर-III				
SEC-3	B23-HIN-306	रचनात्मक लेखन	2	02	40	10	50	2 घण्टे
VAC-3	B23-HIN-309	समाचार लेखन	2	02	40	10	50	2 घण्टे
VOC-3	B23-HIN-315	अनुवाद कला	2	02	40	10	50	2 घण्टे
AEC-3	B23-HIN-321	भाषा एवं संप्रेषण कौशल	2	02	40	10	50	2 घण्टे
VAC-3	B23-HIN-325	संपादन कला	2	02	40	10	50	2 घण्टे
				सेमेस्टर-IV				
AEC-4	B23-HIN-421	प्रयोजनपरक हिन्दी	2	02	40	10	50	2 घण्टे

सेमेस्टर-I

B23-HIN-121 हिन्दी भाषा और साहित्य

क्रेडिट : 2 | अंक : 50
समय : 2 घण्टे | परीक्षा अंक : 40, आंतरिक मूल्यांकन : 10

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी भाषा और साहित्य से परिचित करवाना। साहित्यिक दृष्टि विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

121.1 कल्पना-शक्ति और रचनात्मकता का विकास।
121.2 हिन्दी भाषा के विभिन्न पड़ावों, आन्दोलनों की जानकारी।
121.3 भाषा परिवर्तन व उसके साहित्य पर पड़े प्रभावों की पहचान।
121.4 हिन्दी साहित्यकारों का जीवन-दर्शन और स्वभावगत महानता से अवगत।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** – पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पाठांश के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 10 अंक का होगा।
- **समीक्षात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर समीक्षात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा। यह खण्ड कुल 15 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से 4 प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 2 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 08 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से 07 प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। यह खण्ड 07 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

(क) व्याख्या के लिए

संस्मरण : पथ के साथी (महादेवी वर्मा)

(ख) समीक्षात्मक प्रश्नों के लिए

इकाई-1 भाषा : परिभाषा, प्रकृति और विशेषताएँ; भाषा और संस्कृति; भाषा और मानव समाज का सांस्कृतिक विकास; भाषा और साहित्य; भाषा में साहित्य की भूमिका; वाचिक और लिखित साहित्य।

इकाई-2 हिन्दी भाषा का उद्‌भव एवं विकास; हिन्दी की उपभाषाएं एवं बोलियाँ; साहित्यिक भाषा के रूप में अवधी का विकास; साहित्यिक भाषा के रूप में ब्रज भाषा का विकास; उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली और नागरी लिपि का विकास।

इकाई-3 फोर्ट विलियम कॉलेज और हिन्दी गद्य का विकास; स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी का विकास; भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास; देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता; मानक हिन्दी का स्वरूप; आज की हिन्दी।

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी भाषा एवं लिपि – ब्रजपाल
- भाषा विज्ञान – डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
- हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी

सेमेस्टर-II

B23-HIN-206 पत्र-लेखन

क्रेडिट : 2

अंक : 50

समय : 2 घण्टे

परीक्षा अंक : 40, आंतरिक मूल्यांकन : 10

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

पत्र-लेखन के व्यावहारिक रूप से परिचय करवाना। पत्र-लेखन कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

206.1 पत्र-लेखन कौशल में सक्षम।

206.2 कार्यालयी हिन्दी से परिचय होगा।

206.3 पत्र-लेखन के विविध रूपों व स्वरूप की समझ।

206.4 तकनीकी क्षेत्र में पत्र-लेखन के विकास से परिचय।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **समीक्षात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 20 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से 5 प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 3 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- **प्रायोगिक प्रश्न** – पाठ्यक्रम में से पत्र-लेखन संबंधी विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 08 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 08 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु किसी भी विषय में पत्र-लेखन संबंधी अथवा अन्य पाठ्यक्रम की प्रकृति के अनुरूप समसामयिक एवं व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 पत्र लेखन : स्वरूप, क्षेत्र, महत्त्व और उद्देश्य; पत्रों के प्रकार; पत्र के भाग; पत्र की विशेषताएँ; पत्र लिखते समय ध्यान देने योग्य बातें; पत्र-लेखन में मानक हिन्दी का स्वरूप; बदलते समय में पत्र।

इकाई-2 वैयक्तिक पत्र तथा उसके मुख्य भाग; बधाई संबंधी पत्र और प्रारूप; शोक/सहानुभूति/संवेदना प्रकट करने संबंधी पत्र और प्रारूप; निमंत्रण पत्र और प्रारूप; खेद संबंधी पत्र और प्रारूप;

इकाई-3 शिकायत संबंधी पत्र और प्रारूप; समीक्षा/सुझाव संबंधी पत्र और प्रारूप; समस्या संबंधी पत्र और प्रारूप; अपील और निवेदन संबंधी पत्र और प्रारूप।

इकाई-4 कार्यालयी पत्र-लेखन [ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, पृष्ठांकन, आदेश, सूचनाएँ, निविदा] और उनके प्रारूप।

सहायक पुस्तकें

- प्रयोजनपरक हिन्दी – ब्रजपाल
- आधुनिक पत्र-लेखन – योगेश चन्द जैन
- प्रयोजनमूलक हिन्दी – माधव सोनटक्के
- पत्र-लेखन कला – ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह
- औपचारिक पत्र-लेखन – ओमप्रकाश सिंहल
- प्रारूपण शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि – राजेद्र प्रसाद श्रीवास्तव

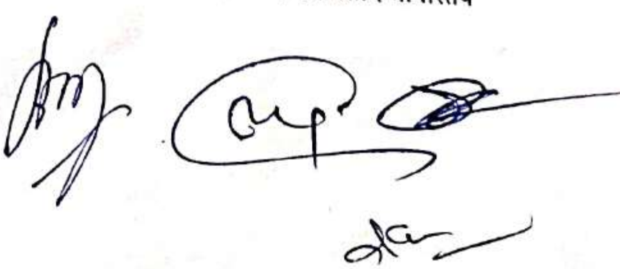

सेमेस्टर-II

B23-HIN-217 विज्ञापन लेखन

क्रेडिट : 2 | अंक : 50

समय : 2 घण्टे | परीक्षा अंक : 40, आंतरिक मूल्यांकन : 10

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

विज्ञापन से परिचय करवाना। विज्ञापन लेखन कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

217.1 विज्ञापन से परिचय होगा।

217.2 विज्ञापन लेखन कौशल में सक्षम।

217.3 विज्ञापन के विविध रूपों व स्वरूप की समझ।

217.4 तकनीकी क्षेत्र में विज्ञापन के विकास से परिचय।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **समीक्षात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 20 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से 5 प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 3 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- **प्रायोगिक प्रश्न** – पाठ्यक्रम में से विज्ञापन लेखन संबंधी विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 08 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 08 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु किसी भी विषय में विज्ञापन लेखन अथवा अन्य पाठ्यक्रम की प्रकृति के अनुरूप समसामयिक व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 विज्ञापन : अर्थ, परिभाषा और स्वरुप; विज्ञापन का महत्व; विज्ञापन के सामाजिक तथा व्यावसायिक उद्देश्य, मार्केटिंग और ब्रांड-निर्माण।

इकाई-2 विज्ञापन की भाषा; विज्ञापन की भाषागत विशेषताएँ; विज्ञापन की भाषा के विभिन्न पक्ष [सादृश्य विधान, अलंकरण, तुकांतता, समानांतरता, विचलन, मुहावरे-लोकोक्तियाँ, भाषा संकर]।

इकाई-3 प्रिंट, रेडियो एवं टेलीविजन के लिए कॉपी लेखन; रेडियो जिंगल लेखन; टेलीविजन के लिए स्टोरी बोर्ड निर्माण।

इकाई-4 विज्ञापन और बाजार; विज्ञापन और जनसंचार; विज्ञापन और जनसंचार माध्यम; विज्ञापन और एजेंसियां; विज्ञापन और कानून; विज्ञापन और नैतिकता।

सहायक पुस्तकें

- विज्ञापन की दुनिया – कुमुद शर्मा
- विज्ञापन : भाषा एवं संरचना – रेखा सेठी
- आधुनिक विज्ञापन – डॉ० प्रेमसिंह पतंजलि
- विज्ञापन : व्यवसाय एवं कला – रामचन्द्र तिवारी
- विज्ञापन बाज़ार और हिन्दी – कैलाश नाथ पाण्डेय
- डिजिटल युग में विज्ञापन – सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी

सेमेस्टर-II

B23-HIN-221 तकनीकी हिन्दी

क्रेडिट : 2

समय : 2 घण्टे

अंक : 50

परीक्षा अंक : 40, आंतरिक मूल्यांकन : 10

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

तकनीकी हिन्दी से परिचित करवाना। कम्प्यूटर पर हिन्दी के सॉफ्टवेयरों का अनुप्रयोग कर सकेंगे।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

221.1 तकनीकी हिन्दी से परिचय।

221.2 हिन्दी यूनीकोड के प्रयोग के महत्व की समझ।

221.3 कम्प्यूटर पर हिन्दी के लेखन व प्रकाशन की समझ।

221.4 कम्प्यूटर पर हिन्दी के विविध सॉफ्टवेयरों का अनुप्रयोग।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **समीक्षात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर समीक्षात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 20 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से 5 प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 3 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से 08 प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। यह खण्ड 08 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु किसी भी विषय पर हिन्दी यूनिकोड फॉन्ट में पॉवर प्वाइंट प्रजेन्टेशन (PPT) का निर्माण, वर्ड फाइल (MS Word, Pages), एक्सल शीट, गूगल फॉर्म निर्माण, वीडियो रिकॉर्डिंग क्लिप, ब्लॉग लेखन एवं पाठ्यक्रम की प्रकृति के अनुरूप व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 कंप्यूटर में हिन्दी का आरम्भ और विकास; कंप्यूटर और हिन्दी : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ; कंप्यूटर में हिन्दी के विभिन्न प्रयोग; हिन्दी के महत्त्वपूर्ण सॉफ्टवेयर्स।

इकाई-2 हिन्दी फ़ॉण्ट का अनुप्रयोग : यूनीकोड से पूर्व एवं उसके पश्चात्; हिन्दी कुंजीपटल का स्वरूप एवं विकास; हिन्दी में वर्ड फाइल, एक्सल शीट, पावर प्वॉइंट का निर्माण तथा पेजमेकर में कार्य।

इकाई-3 हिन्दी वेब डिज़ाइनिंग, हिन्दी वेबसाइट्स, हिन्दी ई-पोर्टल और हिन्दी ई-पत्र-पत्रिकाएँ : विषयवस्तु एवं भाषिक विश्लेषण; इंटरनेट पर सामग्री सृजन, हिन्दी ब्लॉग लेखन-प्रकाशन, हिन्दी विकिपीडिया लेखन और उसकी विकास प्रक्रिया का अध्ययन।

इकाई-4 हिन्दी भाषा-शिक्षण और ई-लर्निंग, ई-पाठशाला; हिन्दी भाषा और ई-गवर्नेंस; साइबर क़ानून; राजभाषा हिन्दी के प्रसार में कंप्यूटर-कृत हिन्दी भाषा की भूमिका।

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर – संतोष गोयल
- तकनीकी सुलझनें – बालेन्दु शर्मा दाधीच
- कंप्यूटर सिद्धांत और तकनीक – राजेन्द्र कुमार
- हिन्दी कम्प्यूटरीकरण – डॉ॰ एहतिशाम अज़ीज़
- कंप्यूटर प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेटिंग गाइड – शंशाक
- कंप्यूटर फंडामेंटल्स – प्रदीप सिन्हा, प्रीती सिन्हा

सेमेस्टर-III

B23-HIN-306 रचनात्मक लेखन

क्रेडिट : 2
अंक : 50

समय : 2 घण्टे
परीक्षा अंक : 40, आंतरिक मूल्यांकन : 10

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

रचनात्मकता और भाषायी कौशल से परिचित करवाना। रचनात्मक लेखन और चिंतन विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

306.1 रचनात्मक लेखन और चिंतन का विकास।
306.2 कल्पना-शक्ति और रचनात्मकता का विकास।
306.3 आत्म-अभिव्यक्ति और सम्प्रेषण कौशल में वृद्धि।
306.4 अपने परिवेश, समाज और राष्ट्र के प्रति संवेदनशीलता का विकास।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **समीक्षात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर समीक्षात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 20 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से 5 प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 3 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- **प्रायोगिक प्रश्न** – इकाई-4 के निर्धारित विषयों में से विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को अनुभूति की सत्यता के आधार पर किसी एक प्रश्न का उत्तर (लगभग 500 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 08 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 08 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु किसी भी विधा में लेखन, बदलते जीवन मूल्य, महामारी, लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका, ऑनलाइन शॉपिंग अथवा अन्य समसामयिक एवं व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 रचनात्मक लेखन : अर्थ, स्वरुप एवं महत्व; रचनात्मक लेखन और परिवेश; रचनात्मक लेखन और व्यक्तित्व निर्माण; लेखकीय व्यक्तित्व एवं भाषा-शैली; लेखकीय मनोविज्ञान; विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र [साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन]।

इकाई-2 भाव और विचार का भाषा में रुपान्तरण; साहित्यिक भाषा की विभिन्न छवियाँ; प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की भाषा में अन्तर; लेखन के विविध रूप [मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर]।

इकाई-3 कविता, गीत, ग़ज़ल, लघु कथा लेखन; हास्य-व्यंग्य लेखन; फिल्म पटकथा लेखन; छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र; पल्लवन, संक्षेपण, अनुच्छेद।

इकाई-4 'मेरी पहली रचना' शीर्षक से किसी भी विधा में लेखन; किसी भी साहित्यिक रचना का भाषा की दृष्टि से विश्लेषण; कोई एक फीचर लेखन; कोई एक यात्रा-वृतांत; किसी एक पुस्तक की समीक्षा; किसी एक फिल्म की समीक्षा।

सहायक पुस्तकें

- छोटे पर्दे का लेखन – हरीश नवल
- रचनात्मक लेखन – सं॰ रमेश गौतम
- कविता रचना प्रक्रिया – कुमार विकल
- लेखन एक प्रयास – हरिश्चन्द्र काण्डपाल
- टेलिविजन की भाषा – हरिश्चन्द्र बर्णवाल
- साहित्य चिंतन : रचनात्मक आयाम – रघुवंश

सेमेस्टर-III

B23-HIN-309 समाचार लेखन

क्रेडिट : 2

समय : 2 घण्टे

अंक : 50

परीक्षा अंक : 40, आंतरिक मूल्यांकन : 10

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

समाचार लेखन से परिचय करवाना। समाचार लेखन व फीचर लेखन कला विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

309.1 फीचर लेखन व प्रस्तुतिकरण से अवगत।

309.2 समाचार लेखन व प्रस्तुतिकरण से अवगत।

309.3 समाचारों के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्षों का ज्ञान।

309.4 समाचारों के प्रति आलोचनात्मक व खोजी दृष्टि का विकास ।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **समीक्षात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर समीक्षात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 20 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से 5 प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 3 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- **प्रायोगिक प्रश्न** – पाठ्यक्रम की प्रकृति के अनुरूप किसी एक विषय पर समाचार लेखन [स्थानीय, राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय मुद्दों पर] संबंधी विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 08 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 08 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु समाचार लेखन और फीचर लेखन के कुछ उदाहरण– समसामयिक, पर्यावरण, परिस्थितिकी, शिक्षा, साहित्य, आर्थिक, राजनीतिक एवं अन्य व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 समाचार : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप; समाचार के तत्व; समाचार के प्रकार या वर्ग; समाचार-लेखन के सिद्धांत; समाचार-लेखन की प्रक्रिया; समाचार लेखन की भाषा-शैली।

इकाई-2 रेडियो समाचार : रिपोर्टिंग, कॉपी लेखन एवं प्रसारण; रेडियो समाचार के विभिन्न रुप; समाचार कक्ष और स्टुडियो; रेडियो की भाषा।

इकाई-3 टेलीविजन समाचार : रिसर्च, रिपोर्टिंग, पटकथा लेखन, वॉयस ओवर, निर्माण, ग्राफिक्स, प्रसारण; टेलीविजन समाचार के विविध रुप; टेलीविजन की भाषा।

इकाई-4 फीचर : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप; फीचर के तत्व; फीचर का चुनाव एवं लेखन; फीचर के प्रकार एवं वर्ग; फीचर का उद्देश्य; फीचर तथा अन्य विधाएँ [समाचार और फीचर, संपादकीय और फीचर, रिपोर्ताज और फीचर, कमेण्ट्री और फीचर, लेख और फीचर, कहानी और फीचर]

सहायक पुस्तकें

- फीचर लेखन – पी॰ के॰ आर्य
- समाचार लेखन – पी॰ के॰ आर्य
- फीचर लेखन – संजय श्रीवास्तव
- आकाशवाणी समाचार की दुनिया – संजय कुमार
- फीचर लेखन : स्वरुप और शिल्प – डॉ॰ मनोहर प्रभाकर
- समाचार संकलन और संपादन कला – डॉ॰ जितेन्द्र वत्स, डॉ॰ किरणबाला

सेमेस्टर-III

B23-HIN-315 अनुवाद कला

क्रेडिट : 2

समय : 2 घण्टे

अंक : 50

परीक्षा अंक : 40, आंतरिक मूल्यांकन : 10

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

अनुवाद से परिचय करवाना। अनुवाद कला विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

315.1 अनुवाद के क्षेत्र और महत्व से अवगत।

315.2 अनुवाद के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्षों का ज्ञान।

315.3 प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए अनुवाद क्षमता का विकास।

315.4 अनुवाद के लिए आलोचनात्मक व विश्लेषणात्मक दृष्टि का विकास।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **समीक्षात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 20 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से 5 प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 3 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- **प्रायोगिक प्रश्न** – पाठ्यक्रम की प्रकृति के अनुरूप अनुवाद के लिए [Hindi To English & Vice Versa] विकल्प सहित एक गद्यांश दिया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 08 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 08 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु अनुवाद के कुछ उदाहरण [Hindi To English & Vice Versa]– समसामयिक, शिक्षा, साहित्य, आर्थिक, राजनीतिक एवं अन्य व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 अनुवाद : अर्थ, स्वरूप और विस्तार; अनुवाद और भाषा का संबंध; स्त्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा; अनुवाद : विज्ञान, कला, शिल्प या शास्त्र; अनुवाद की परम्परा : भारतीय एवं पाश्चात्य; अनुवाद और रोजगार।

इकाई-2 अनुवाद प्रक्रिया – [पाठ विश्लेषण के स्तर पर, अंतरग के स्तर पर तथा पुनर्गठन के स्तर पर]; अनुवाद को समझने की दृष्टि – [पाठपरक और प्रक्रियापरक]; अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार; अनुवादक के गुण, दायित्व और धर्म; अनुवाद के सिद्धांत।

इकाई-3 अनुवाद की सीमाएँ – [भाषापरक, सामाजिक-सांस्कृतिक, पाठपरक]; अनुवाद की समस्याएँ – [अनुवाद की समस्या, अनुवादक की समस्या, पाठक की समस्या, पाठ की समस्या]; अनुवाद का महत्त्व और औचित्य; अनुवाद की प्रासंगिकता।

इकाई-4 साहित्यिक अनुवाद : काव्यानुवाद एवं गद्यानुवाद; कार्यालयी अनुवाद; मीडिया और अनुवाद; ज्ञान-विज्ञान का साहित्य और अनुवाद।

सहायक पुस्तकें

- अनुवाद साधना – पूरनचंद टंडन
- अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग – नगेन्द्र
- अनुवाद विज्ञान की भूमिका – कृष्ण कुमार गोस्वामी
- सृजनात्मक साहित्य और अनुवाद – स० सुरेश सिंघल, पूरनचंद टंडन
- Translation : A Multidiciplinary Approach – J. House

सेमेस्टर-III

B23-HIN-321 भाषा एवं संप्रेषण कौशल

क्रेडिट : 2
समय : 2 घण्टे

अंक : 50
परीक्षा अंक : 40, आंतरिक मूल्यांकन : 10

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

भाषा के व्यावहारिक ज्ञान से परिचय करवाना। संप्रेषण व लेखन कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

321.1 लेखन और संप्रेषण कौशल में सक्षम।

321.2 कल्पना-शक्ति और रचनात्मकता का विकास।

321.3 इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट माध्यमों की भाषा का ज्ञान व समझ।

321.4 अपने परिवेश, समाज और राष्ट्र के प्रति संवेदनशीलता का विकास।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **समीक्षात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 20 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से 5 प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 3 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- **प्रायोगिक प्रश्न** – समसामयिक विषयों में से पाठ्यक्रम की प्रकृति के अनुरूप विकल्प सहित एक निबंधात्मक प्रश्न दिया जाएगा। प्रश्न का उत्तर लगभग 300-500 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न 08 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 08 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु किसी भी विधा में लेखन, बदलते जीवन मूल्य, महामारी, लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका, ऑनलाइन शॉपिंग अथवा अन्य समसामयिक एवं व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 भाषा : परिभाषा, प्रकृति और विशेषताएँ; भाषा और संस्कृति; भाषा और मानव समाज का सांस्कृतिक विकास; भाषा और संप्रेषण; भाषा के रूप में हिन्दी का विकास; शिक्षा माध्यम के रूप में हिन्दी।

इकाई-2 संप्रेषण की अवधारणा और महत्व; संप्रेषण के प्रकार [मौखिक और लिखित]; संप्रेषण में बाधाएँ और चुनौतियाँ; संप्रेषण के विविध रूप [साक्षात्कार, भाषण, संवाद, सामूहिक चर्चा]।

इकाई-3 इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट माध्यमों की भाषा में अन्तर; प्रिंट माध्यम लेखन – [फीचर, साक्षात्कार, पटकथा एवं पुस्तक समीक्षा]; इलेक्ट्रॉनिक माध्यम लेखन – [रेडियो, टेलिविजन, ब्लॉग, सोशल मीडिया]।

इकाई-4 रचनात्मक लेखन; रचनात्मक लेखन के उद्देश्य एवं महत्व; रचनात्मक लेखन-प्रक्रिया के चरण – [मौखिक, लिखित; संशोधन एवं मूल्यांकन; प्रेरणा एवं प्रोत्साहन]; रचनात्मक लेखन के लिए पूर्व तैयारी; रचनात्मक लेखन के लिए विषय का चुनाव; रचनात्मक लेखन की चुनौतियाँ।

सहायक पुस्तकें

- भाषा विज्ञान – डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी
- भाषा एवं सम्प्रेषण कौशल – ब्रजपाल
- लेखन एक प्रयास – हरिश्चन्द्र काण्डपाल
- टेलिविजन की भाषा – हरीश्चन्द्र बर्णवाल
- साहित्य चिंतन : रचनात्मक आयाम – रघुवंश
- सम्प्रेषण : प्रतिरूप एवं सिद्धांत – श्रीकान्त सिंह

सेमेस्टर-III

B23-HIN-325 संपादन कला

क्रेडिट : 2
समय : 2 घण्टे

अंक : 50
परीक्षा अंक : 40, आंतरिक मूल्यांकन : 10

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

संपादन कला से परिचय करवाना। संपादन कला विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

325.1 संपादन कला व प्रस्तुतिकरण से अवगत।
325.2 संपादन कला के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्षों का ज्ञान।
325.3 समाचारों के प्रति आलोचनात्मक व खोजी दृष्टि का विकास ।
325.4 प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए संपादन-लेखन क्षमता का विकास।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **समीक्षात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर समीक्षात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 20 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से 5 प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 3 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- **प्रायोगिक प्रश्न** – पाठ्यक्रम की प्रकृति के अनुरूप किसी एक विषय पर संपादकीय लेख [स्थानीय, राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय मुद्दों पर] संबंधी विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 08 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 08 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु समाचार संपादकीय लेखन के कुछ उदाहरण– समसामयिक, पर्यावरण, परिस्थितिकी, शिक्षा, साहित्य, आर्थिक, राजनीतिक एवं अन्य व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 संपादन : अवधारणा और उद्देश्य; संपादन के आधारभूत तत्व; निष्पक्षता और सामाजिक संदर्भ; समाचार विश्लेषण; सम्पादन कला के सामान्य सिद्धांत।

इकाई-2 संपादक और उपसंपादक; लीड, आमुख और शीर्षक लेखन; सम्पादकीय लेखन के तत्व और प्रविधि; संपादन तकनीकी पक्ष – [टाइप चयन, प्रूफरीडिंग, पृष्ठसज्जा]

इकाई-3 संपादक एवं उनके सहयोगी; संपादकीय विभाग की व्यवस्था; वातावरण एवं सुविधाएँ; कार्य एवं समय विभाजन; संपादन की कसौटी; सम्पादकीय का सामाजिक प्रभाव।

इकाई-4 पत्रकारिता का बदलता स्वरुप; पत्रकारिता के समक्ष खतरे और चुनौतियाँ; जनसंपर्क अपेक्षाएं एवं संभावनाएँ; जनसंचार माध्यमों की विश्वसनीयता; नीति निर्देशक तत्त्व।

सहायक पुस्तकें

- संपादन कला – एन॰ सी॰ पंत
- संचार भाषा हिन्दी – सूर्य प्रसाद दीक्षित
- पत्रकारिता एवं संपादन कला – नेहा वर्मा
- आकाशवाणी समाचार की दुनिया – संजय कुमार
- समाचार संकलन और संपादन कला – डॉ॰ जितेन्द्र वत्स, डॉ॰ किरणबाला

सेमेस्टर-IV

B23-HIN-421 प्रयोजनपरक हिन्दी

क्रेडिट : 2 | अंक : 50

समय : 2 घण्टे | परीक्षा अंक : 40, आंतरिक मूल्यांकन : 10

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी भाषा के व्यावहारिक रूप से परिचय करवाना। भाषाई तकनीकी कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

421.1 कार्यालयी हिन्दी से परिचय होगा।

421.2 हिन्दी भाषा लेखन कौशल में सक्षम।

421.3 हिन्दी भाषा के विविध रूपों व स्वरूप की समझ।

421.4 तकनीकी क्षेत्र में हिन्दी भाषा के विकास से परिचय।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **समीक्षात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 20 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से 5 प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 3 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- **प्रायोगिक प्रश्न** – पाठ्यक्रम में से कार्यालयी पत्र-लेखन संबंधी विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 08 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 08 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु किसी भी विषय में पत्र-लेखन संबंधी अथवा पाठ्यक्रम की प्रकृति के अनुरूप व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 कार्यालयी हिन्दी : स्वरुप, क्षेत्र और उद्देश्य; सामान्य हिन्दी और कार्यालयी हिन्दी में सम्बन्ध और अन्तर; कार्यालयी हिन्दी की स्थिति और संभावनाएँ; कार्यालयी पत्र-लेखन [ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, पृष्ठांकन, आदेश, सूचनाएँ, निविदा आदि]; कार्यालयी हिन्दी लेखन [प्रारूपण, पत्र-लेखन, पल्लवन, टिप्पण, ईमेल]।

इकाई-2 हिन्दी भाषा के विविध रूप [सम्पर्क भाषा, संचार भाषा, सर्जनात्मक भाषा, राजभाषा और राष्ट्रभाषा]; हिन्दी की संवैधानिक स्थिति; देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता; मानक हिन्दी का स्वरुप; आज की हिन्दी।

इकाई-3 हिन्दी भाषा का प्रयोग और चुनौतियाँ [वाणिज्य, विधि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में]; विज्ञापन और बाजार की हिन्दी; सोशल मीडिया लेखन : समस्याएँ, चुनौतियाँ और संभावनाएँ।

इकाई-4 राजभाषा हिन्दी के प्रसार में कम्प्यूटर की भूमिका; हिन्दी के महत्त्वपूर्ण सॉफ्टवेयर; ई-लर्निंग और हिन्दी; प्रमुख हिन्दी ई-पत्र-पत्रिकाएँ; प्रमुख वेबपोर्टल; ई-गवर्नेंस।

सहायक पुस्तकें

- प्रयोजनपरक हिन्दी – ब्रजपाल
- प्रयोजनमूलक हिन्दी – माधव सोनटक्के
- पत्रकारिता से मीडिया तक – मनोज कुमार
- कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा
- डिजिटल युग में विज्ञापन – सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी
- प्रारूपण शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि – राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव